प्रेषक,

टीकम सिंह पंवार, संयुक्त सचिव, उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

निदेशक, राज्य योजना आयोग/ नियोजन निदेशालय, उत्तरांचल, देहरादून।

नियोजन अनुभाग ।

देहरादूनः दिनांकः 🎾 मार्च, 2005

विषय:-वित्तीय वर्ष 2004-05 में वाहन क्य हेतु अतिरिक्त धनराशि की वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्रांक-491/तीन-1/नि0निदे0/2001-2002 दिनांक 15 मार्च, 2005 के संदर्भ में यह अवगत कराया जाना है कि राज्य योजना आयोग/नियोजन निदेशालय हेतु वाहन कय के लिए रूपये 3,95,151/- की धनराशि की स्वीकृति शासनादेश संख्या-140/36(2003)XXVI/2004, दिनांक 07 मार्च, 2005 द्वारा प्रदान की गई थी। अवगत कराया गया है कि वाहन का वर्तमान मूल्य रूपये 4,05,936.70 है। अतएव तदकम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल वाहंन कय हेतु अवशेष रू0 10,785.70 को सुग्मांकित करते हुए रूपये 11,000/- की धनराशि के विपरीत रू0 4879.00 संगत मद से एवं रू0 6151 अनुदानान्तर्गत उपलब्ध बचतों से व्यावर्तन द्वारा व्यय संलग्न वी0एम0-15 के अनुसार स्वीकृति किये जाने की सहर्ष प्रदान करते हैं। वाहन कय हेतु अन्य प्रतिबंध एवं शर्ते यथावत लागू मानी जायेंगी।

- 2— संलग्न बी०एम0–15 में रू० 6151.00 की धनराशि को सुग्मांकित कर रू० 7000.00 की धनराशि के व्यय की स्वीकृति दी जा रही है।
- 3— उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2004—05 के आय—व्ययक में प्राविधानित अनुदान संख्या—07 के अंतर्गत लेखाशीर्षक—''3451—सचिवालय आर्थिक सेवायें—00— आयोजनेत्तर—092—अन्य कार्यालय—आयोजनेत्तर—03—नियोजन अधिष्ठान, 14— कार्यालय प्रयोगार्थ स्टाफकारों/ मोटर गाड़ियों का क्य के नामें डाला जायेगा ।
- 4— यह स्वीकृति वित्त विभाग के अशासकीय पत्र संख्या—950/वि०अनु०— 3/2004, दिनांक 20 मार्च, 2005 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं। संलग्नक—यथोपरि।

भवदीय,

(टीकम सिंह पंवार) संयुक्त सचिव। संख्या— (1) / 36(2003) XXVI / 2004, तद्दिनांक । प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः—

महालेखाकार, उत्तरांचल, देहरादून।

2- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।

3- वित्त अनुभाग-3

4- विभागीय पत्रावली।

समन्वयक, एन० आई०सी०, सचिवालय परिसर, देहरादून।

6- गार्ड फाइल ।

आज्ञा से,

(टीकम सिंह पंवार) संयुक्त सचिव।

C.Mehigranii 495

आय-व्ययक प्रपत्र-15

पुनर्विनियोग-2004-05 विदरण पत्र

इसक्तिक विभाग- नियोजन विभाग । नियन्त्रक अधिकारी- सचिव, नियोजन ।

आयोजनेत्तनर

(धनराज्ञि हजार रूपये में)

अनुदान संख्या-07

	393	4.07	24	=	273	176	400
(क) आवश्यकता न होने के कारण (ख) वाहन का वास्तविक मूल्य बढ़ जानके कारण अतिरिक्त धनराशि की	393	4,07	3451-सिवेवालय अधिक सेवार्यं -092-00-आयोजनेत्तर-अन्यकार्यालय- 03-नियोजन अधिकान-00- 14-कार्यालय प्रयोगार्थ स्टाफ- कारों/मोटर गाडियों का क्य-7 (ख)	11(क)	273		—सचिवालच्छार्थिक भायोजनेत्तर—१९२२— सय-०3—नियोजन हार्यालय द्धर — ४
00	7	6	S)	.Pu	ယ	2	_
टिपाणी	पुर्नविनियोग टिप्पण के बाद स्तम्म 01 में अवशेष धनराशि	पुनविनियोग के बाद स्तम्म -5 की कुल धनशशि	लेखाशीषक जिसमें धनराशि स्थानान्तरित किया जाना है	अवशंष धनप्राशि (सरप्लस)	वित्ताय वर्ष क शेष अवधिमें अनुमान्ति व्यय		विदर्ण स्था तथा लखाशावक का मानक मददार विदर्ण अध्याविधिक व्यय

प्रनाणित किया जाता है कि पुनविनिधोग के बजट नेनुअल के परिच्छेद— 150, 151, 155, 156 में उल्लिखित प्राविधानों एवं सीमाओं का उल्लंघन नहीं होता है ।

ीकम सिंह पंचार) संयुक्त सचिव।

जल्लायल शासन वित्तं अनुभाग-3

(१) / विवसनु०-03 / 2005 दिनाक: > } मार्च, 2005

पुर्नविनियोग स्वीकृत।

केंग्सींग निश्न अपर सचिव

महॉलेखाकार,उत्तरांचल, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, महारनपुर रोड, देहराडून। महारनपुर रोड, देहराडून। १७६४म / २००४, तददिनांक । प्रतिलिपि निम्नलिखिल को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:—

वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।

वित्तं अनुभाग-03, उत्तरांचल शासन ।

आज्ञा से,

टीकम सिंह पवार)

संयुक्त सचिव।